'काल' बनकर दौडा डंपर, सड़क पर कोहराम

मृतकों-घायलों के लिए बिलखते रहे परिजन; सड़क पर बिखरा वाहनों का कबाड़, ट्रैफिक जाम लगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हरमाड़ा क्षेत्र में "काल" बनकर दौड़े तेज रफ्तार डंपर ने 14 लोगों की सांसे थाम दी। नशे में धुत्त चालक एक के बाद एक राहगीर और वाहनों को रौंदता हुआ आगे बढ़ा तो सड़क पर कोहराम मच गया। इस भयावह हादसे ने पूरे प्रदेश के रौंगटे खड़े कर दिए हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों और मृतकों को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अस्पताल पहुंचाया। उधर राहगीरों को रौंदने वाले डंपर ड्राईवर को भीड़ ने पकड़कर जमकर धुनाई के बाद पुलिस को सौंपा है। हादसे के बाद मौके पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया, पुलिस ने सड़क से वाहनों को कबाड़ हटाकर आम रास्ता खुलवाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर चालक नशे की हालत में था। हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है, क्योंकि वह खुद गंभीर रूप से जख्मी है। पुलिस उसका मेडिकल मुआयना करवाएगी, उसके बाद ही वास्तविकता सामने आएगी। इस हादसे के जो वीडियो सामने आए हैं वो दिल को दहला देने वाले हैं। इसमें डंपर, तूफानी गति से राहगीरों और बाइक-कार सवारों को रौंदता हुआ दिख रहा है।

हादसे के बाद लोहा मंडी और विश्वकर्मा इलाके में लंबा जाम लग गया। ऐसे में पुलिस को ट्रैफिक को दूसरे मार्ग की ओर मोडना पड़ा। पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से डंपर और अन्य क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर ट्रैफिक सुचारू कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद का मंजर काफी भयानक था। सड़क पर क्षतिग्रस्त वाहन और क्षत-विक्षत शव बिखरे पड़े थे। हर कोई सोचकर ही सिहर उठा।

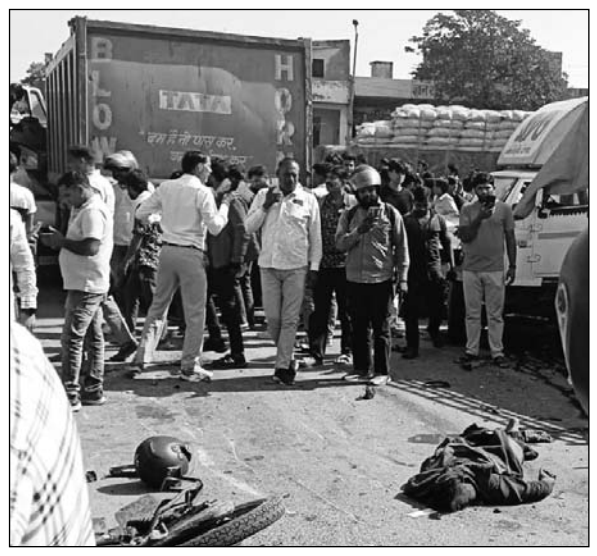

हरमाड़ा के लोहामंडी कट पर सोमवार दोपहर तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से सड़क पर क्षत-विक्षत शव बिखर गए। मौके पर जुटी भीड़ ने तुरंत दौड़कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और डंपर चालक को दबोचकर पुलिस को सौंपा। फोटो-दिनेश भारद्वाज

■ **पुलिस जांच में सामने आया है कि घटनास्थल से डेढ़ कि.मी. पहले डंपर चालक की किसी कार सवार से कहासुनी हुई थी, उसके बाद से वह डंपर को 100 कि.मी. प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ाता हुआ भाग रहा था।**

प्रोबेशनल आईपीएस उषा शर्मा ने बताया कि यह डंपर कहां से आया था और कहां जा रहा था, इसका अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। इस हादसे की भयावहता देखकर लोग कांप गए। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस-प्रशासन के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। जहां घायलों को हाथों-हाथ ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एसएमएस अस्पताल पहुंचाया गया। जहां इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। बाकी 11 ने अस्पताल पहुंचने के दौरान और इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई।

हरमाड़ा थाने के हैड कांस्टेबल रविंद्र ने बताया कि पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले एक पेट्रोल पंप के बाहर डंपर चालक राजेश मीणा (35) निवासी चौमूं की, एक कार सवार से कहासुनी हुई थी। इसके बाद नशे में ड्राइवर डंपर को भगाकर ले गया था। रॉन्ग साइड में डंपर दौड़ाते हुए उसने बाइक को टक्कर मारी। तभी कुछ लड़के उसके पीछे लग गए। चालक ओवर स्पीड में डंपर भगाने लगा और गाड़ियों को टक्कर मारते हुए अजमेर-दिल्ली हाईवे के लोहा मंडी कट के पास ट्रेलर से टकराकर रुक गया। हादसे के दौरान कई लोगों के कपड़े तक फट गए थे। ऐसे में आस-पास के लोगों ने सभी शवों को एक तरफ किया। इसके बाद जिन लोगों के कपड़े तक फट गए थे। उनके शरीर को उनके पास रखे कपड़े और गमछों से ढका। पुलिस का कहना है कि हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें डंपर चालक 100 कि.मी. प्रति घंटे से अधिक की स्पीड में था है। शराब के नशे में मिले डंपर चालक को लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया था और उसकी जमकर पिटाई कर दी, पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया है, अब मेडिकल के बाद उससे पूछताछ होगी।

हरमाड़ा क्षेत्र में लोहा मंडी रोड पर उस समय चीख-पुकार मच गई, जब एक बेकाबू डंपर ने सड़क किनारे खड़े दो सगे भाइयों को रौंद डाला। हादसे में मुरली (32) और सुरेश (28) नामक दोनों हलवाई भाइयों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दोनों पूरे दिन एक शादी समारोह में मिठाई बनाने का काम निपटाकर घर लौट रहे थेइसी दौरान दोनों गुटखा खाने के लिए दुकान के पास रुके, यह उनके जीवन का आखिरी पल साबित हुआ।

हादसे के बाद मृतकों व घायलों के परिजनों की रूलाई फूट पड़ी, जिन्हें अन्य परिवारजन सांत्वना दिलाते रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सुनी आमजन की समस्याएं

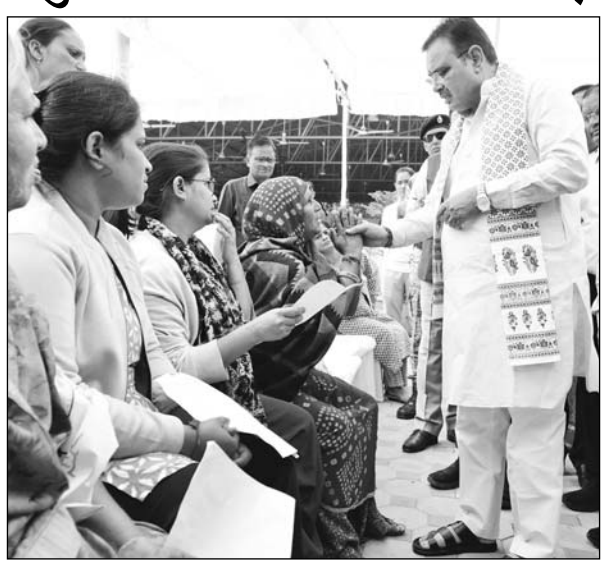

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की।

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ीह उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें तथा आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो। सिकराय के नरेन्द्र के बड़े भाई रामअवतार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिनका सिलिकोसिस कार्ड नहीं बनने से योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में नरेन्द्र ने जब मुख्यमंत्री के सामने यह पीड़ा रखी, तो शर्मा ने तुरंत अधिकारियों को रामअवतार का सिलिकोसिस कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। नरेन्द्र ने अपनी समस्या के समाधान पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। शर्मा ने इस दौरान कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा, ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के पोस्टरों का विमोचन किया।

■ **सीएम ने निर्देश दिए कि, अधिकारी, लोगों की परिवेदनाओं को प्राथमिकता से निस्तारित करें**

खनिज प्रधान राज्यों की अनुमतियां जल्द लेने की कवायद पर मंथन

उडीसा, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्यप्रदेश से अनुमति प्राप्ति में लगने वाले समय व इस प्रक्रिया के सरलीकरण पर अध्ययन कर रहा खनन विभाग

जयपुर । देश के खनिज प्रधान प्रमुख प्रदेशों की नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने की बेस्ट प्रेक्टिसेज को अपनाया जाएगा। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने यह जानकारी सोमवार को सचिवालय में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा खनिज प्रधान प्रमुख प्रदेश उडीसा, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्यप्रदेश आदि में अनुमतियां प्राप्ति में लगने वाले समय और आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने की व्यावहारिक प्रक्रिया का अध्ययन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राप्त अध्ययन रिपोर्ट का विश्लेषण कर व्यावहारिक प्रक्रिया को अपनाया जायेगा।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार विभाग व संबंधित विभागों से एसओपी जारी कराई जाएगी ताकि एलओआई धारक अनुमतियों के लिए आवश्यक दस्तावेज एसओपी के अनुसार प्रस्तुत कर सके। उन्होंने बताया कि इससे आवश्यक अनुमतियों के लिए प्राप्त आवेदनों में अपूर्ण या आवश्यक दस्तावेजों का अभाव नहीं रह सकेगा और इस कारण से आवेदन पर त्वरित निर्णय किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि अनावश्यक देरी को निरुत्साहित किया जाएगा। एम्पेनल्ड विशेषज्ञों द्वारा भी आधी अधूरी सूचनाओं के साथ आवेदन प्रस्तुत नहीं करवाया जा सकेगा।

रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा नीलाम खानों को तय समय सीमा में आवश्यक अनुमतियां उपलब्ध कराकर परिचालन में लाने पर जोर दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा भी इसकी नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिस तरह से खान विभाग नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए समग्र व समन्वित प्रयास कर रहा है उसी तरह से एलओआई धारकों और संबंधित विभागों व संस्थाओं को भी आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि यह निवेश, रोजगार और रेवेन्यू से जुड़ा है और प्रदेश के समग्र आर्थिक विकास में भागीदारी का प्रयास है।निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि विभाग स्तर से संबंधित विभागों और एलओआई धारकों से समन्वय बनाया जा रहा है और नीलाम खानों को शीघ्र परिचालन में लाने के लिए अनुमतियां दिलाने के लिए तकनीकी सहयोग व मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर, अतिरिक्त निदेशक आईटी शीतल शर्मा, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, प्रभारी फेसिलिटेशन सेल प्रताप मीणा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूविज्ञानी एरियल सर्वे सुनील वर्मा और डेलाइट के प्रतिनिधियों ने आवश्यक सुझाव दिए।

खनन विभाग के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने सोमवार को सचिवालय में निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

कृषि मण्डियों में 13 करोड़ रुपये के विकास कार्य होंगे

जयपुर । राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कृषि से संबंधित सेवाओं और सुविधाओं का निरंतर विस्तार कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की विभिन्न मण्डियों में विकास कार्यों के लिए 13 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति के अनुसार कृषि उपज मण्डी समिति, अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर), पूगल रोड-अनाज (बीकानेर) और मालपुरा (टोंक) इत्यादि में 13 करोड़ 45 लाख से अधिक की राशि से मण्डी यार्ड के निर्माण कार्य, विद्युत संबंधी कार्य एवं सम्पर्क सडकों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे।

इसी प्रकार, कृषि उपज मण्डी समिति, सुमेरपुर की गौण मण्डी फल-सब्जी, सिरोही में प्रथम चरण के तहत भूखण्ड आवंटन हेतु आरक्षित दर का निर्धारण एवं कृषि उपज मण्डी समिति, बस्सी (जयपुर) के गौण मण्डी यार्ड तूंगा में चिन्हित और रिक्त भूखण्डों का प्रथम चरण के तहत आवंटन किये जाने का अनुमोदन भी किया गया है।

इससे मण्डी क्षेत्रों में व्यापार प्रारम्भ होने पर किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य उत्पादन क्षेत्र के नजदीक ही मिल सकेगा। साथ ही, उनके परिवहन खर्चे में कमी भी आएगी।

चिकित्सा मंत्री में घायलों के बेहत्तर उपचार के निर्देश दिए

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को सीकर रोड पर हरमाड़ा में हुए सड़क हादसे पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में दिवंगत हुए व्यक्तियों की आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही, हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे और हादसे के मृतकों तथा घायलों के बारे में जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन से पूरी जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों को त्वरित एवं बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, कांवटिया एवं अन्य अस्पतालों में भर्ती घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि घायलों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। इससे पहले घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री ने दूरभाष पर वार्ता कर सवाई मानसिंह अस्पताल एवं कांवटिया अस्पताल प्रशासन को अलर्ट करते हुए घायलों के उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों का जीवन बचाने के लिए उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह अस्पताल में हादसे को लेकर जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा भी की। इस दौरान खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, उद्योग राज्यमंत्री केके विश्नोई, सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, संभागीय आयुक्त पूनम, पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी, ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ. बीएल यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को हरमाड़ा हादसे के बाद सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचकर मृतकों तथा घायलों के बारे जानकारी ली और घायलों का बेहत्तर उपचार करने के निर्देश दिए।

कोरियाई दल ने जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी

कोरिया एम्पलायमेन्ट एजेन्सी फॉर पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी के एक दल ने जयपुर जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

जयपुर। कोरिया के विकलांगों को रोजगार उपलब्ध कराकर उनका पुर्नवास करने वाली संस्था कोरिया एम्पलायमेन्ट एजेन्सी फॉर पर्सन्स विथ डिसेबिलिटी (के.इ.ए.डी) के एक दल ने विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) में जयपुर फुट की निर्माण विधि का अवलोकन किया।

के.इ.ए.डी की जयपुर यात्रा का उद्देश्य विश्व की विकलांगो के पुर्नवास के लिए किए जा रहे प्रयासों का अध्यन करना और किस बी.एम.वी.एस.एस प्रकार विकलांगों को रोजगार उपलब्ध कराया जाता है इसको जानकारी लेना था।

के.इ.ए.डी के अध्यक्ष जॉग सियोंग ली के नेतृत्व में आए पॉच सदस्यों दल का बी.एम.वी.एस.एस को संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता और सचिव (तकनीकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने स्वागत किया और दल को जयपुर फुट की निर्माण विधि की जानकारी दी।

दल को यह जानकरी प्रसन्न हुए कि बी.एम.वी.एस.एस विकलांगो को अपने समिति साधनों के बावजूद ट्राइसाईकिल, व्हीलचेयर, बैशाखियाँ, श्रवण यंत्र आदि के अलावा रोजगार के लिए चाय का स्टाल लगाने के लिए बर्तन आदि उपलब्ध कराता है।

दल को बताया कि ट्रायसाईकिल पर विकलांग फेरी लगाकर सब्जी आदि बेचकर आमदानी कैस करते है। यह सभी सामान विकलांगो को निरूशुल्क उपलब्ध कराए जाते है।

दल ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त कि बी.एम.वी.एस.एस के कई कर्मचारी स्वयं विकलांग है, जिन्हें प्रशिक्षित कर रोजगार दिया गया।

दल नायक जॉग सियोंग ली ने बताया कि के.इ.ए.डी और कोरिया की नैशनल एबिलिन्पिक एसोसिएशन बी.एम.वी.एस.एस के साथ सहयोग कर विकलांगो को रोजगार उपलब्ध कराने में सहयोग देगा। इस दल के के.इ.ए.डी के प्रमुख पद्धिकारी शामिल थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पतंजलि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बांटी उपाधियां

पतंजलि विवि. का हर विद्यार्थी 'जॉब सीकर' नहीं बल्कि 'जॉब क्रिएटर' है : स्वामी रामदेव

हरिद्वार । पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित द्वितीय दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विश्वविद्यालय के स्नातक, परास्नातक एवं शोधार्थियों को उपाधियाँ और स्वर्ण पदक प्रदान किए। राष्ट्रपति से पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में साध्वी देवपूजा, देवेन्द्र सिंह (स्वामी इन्द्रदेव), मानसी (साध्वी देववाणी), अजय कुमार (स्वामी आर्षदेव), रीता कुमारी (साध्वी देवसुधा), शालू भदौरिया (साध्वी देवशीला), अंशिका, प्रीति पाठक, पूर्वा तथा मैत्रेई रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस दीक्षांत समारोह में 64 प्रतिशत स्वर्ण पदक छात्राओं ने प्राप्त किए हैं। हमारी यही बेटियां भारत का गौरव बढ़ा रही हैं और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म के क्षेत्र में पतंजलि ने जो कार्य किया है, वह महर्षि पतंजलि की परंपरा को आगे बढ़ाने का महान प्रयास है। विशिष्ट अतिथि एवं उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने कहा कि योग और आयुर्वेद के माध्यम से पतंजलि ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को लागू कर उत्तराखंड को शोध, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि सर्वश्रेष्ठ उत्तराखंड के निर्माण के इस संकल्प में पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पतंजलि विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने किया।

■ **पतंजलि विश्वविद्यालय को विश्व के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लेकर जायेंगे : आचार्य बालकृष्ण**

पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन से पूरा पतंजलि परिवार गौरवान्वित है। पतंजलि विश्वविद्यालय का हर विद्यार्थी 'जॉब सीकर' नहीं बल्कि 'जॉब क्रिएटर' है। यहां शिक्षा का आधार किसी जाति या धर्म पर नहीं बल्कि सनातन सिद्धांतों पर आधारित है।

कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सफलतापूर्वक लागू किया है। यह नीति शिक्षा को रोजगारपरक, बहुविषयक और मूल्य-आधारित बनाने का लक्ष्य रखती है।

उन्होंने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से 3.48 ग्रेड पॉइंट के साथ ग्रेड प्राप्त किया है, जो इस संस्थान की उच्च गुणवत्ता का प्रमाण है।

राज्यपाल गुरमीत सिंह द्वारा फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन और मेडिसिनल प्लांट ऑफ राष्ट्रपति भवन पुस्तकों का विमोचन किया गया, जिनकी प्रथम प्रतिलिपि राष्ट्रपति को भेंट की गई। दीक्षांत समारोह में कुल 1424 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं, जिनमें 54 स्वर्ण पदक विजेता, 62 शोधार्थी (पीएच.डी.), 3 डीलिट उपाधिधारी, 744 स्नातक और 615 परास्नातक विद्यार्थी शामिल रहे।